मनुष्य को सबसे बड़ी देन है सद्बुद्धि

स्व-परिवर्तन का कहो, विश्व परिवर्तन का कहो, सारा मदार स्मृति पर है। अगर स्मृति में हम पीछे रह गये या कमज़ोर रह गये, माना रह गये। न ज्ञान धारण होगा, न योग होगा और न दिव्यगुणों की धारणा होगी। इसलिए स्मृति-शक्ति और साथ-साथ उसकी धारणा-शक्ति चाहिए।

संसार में मनुष्य को सबसे बड़ी देन है सद्बुद्धि, श्रेष्ठ बुद्धि जिसको बाबा कहते हैं पारस बुद्धि। बुद्धि कितनी बड़ी कमाल की चीज़ है! बाबा ने हमारे योग का नाम क्या कहा है? बुद्धियोग। बुद्धि जिसकी विशाल है, बुद्धि जिसकी शिव बाबा के साथ है वही सच्चा योगी है। योगी की बुद्धि शक्तिशाली निर्णय करती है। किस समय क्या करना है, कितना करना है, कैसे करना है, उसका यह निर्णय यथार्थ होगा और शक्तिशाली होगा। ऐसा निर्णय तभी होगा जब उसमें गोल्डन थॉट्स होंगे। एक न्यायाधीश निर्णय कैसे करता है? फलाने-फलाने कानून के अनुसार फलानी-फलानी सज़ा। इस फलाने सेक्शन के अनुसार इसने कोई गलती नहीं की इसलिए इसको बरी किया जाये। निर्णय किसी कानून के अंतर्गत किया जाता है। लॉ के एप्लिकेशन का नाम ही जजमेंट(निर्णय) है। नियम ही पता नहीं होगा तो निर्णय क्या करोगे? निर्णय शक्ति आपकी उतनी बढ़ेगी जितनी आपकी ज्ञान की शक्ति बढ़ेगी, जितने बाबा के गोल्डन थॉट्स आप में हैं, उतना अच्छा निर्णय आपका होगा। बाबा की जितनी भी मुरली की प्वाइंट्स हैं, ये हमारी निर्णय शक्ति बढ़ाने के लिए हैं, हमारी बुद्धि को गोल्डन बनाने के लिए हैं। लॉ को आप नहीं जानेंगे तो गलत निर्णय कर बैठेंगे। श्रीमत पूरी नहीं जानेंगे तो गलत इच्छायें आ जायेंगी। गलत रास्ते पर चले जायेंगे। गलत कर्म हो जायेंगे और फिर पछताते रहेंगे। निर्णय हमारा शक्तिशाली हो, स्थिर हो, श्रीमत पर आधारित हो, ज्ञान से पूण हो। कई लोग समझते हैं कि जो 8-10 नियम हैं वही श्रीमत है जैसे अमृतवेले उठना, मुरली क्लास करना इत्यादि। लेकिन इनके अलावा बाबा का हर महावाक्य श्रीमत है।

कई बार ज्ञान के बारे में निर्णय करने में लोग धोखा खा लेते हैं। कई सोचते हैं कि यह बात साकार बाबा ने कही है या निराकार बाबा ने कही है? हम मानते हैं कि शिव बाबा ही पढ़ाता है, कलियुग का अंत होने वाला है। मुझे याद है, साकार बाबा के साथ जब हम रहते थे, हमने देखा है कि कितने लोग धोखा खा

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

गये! हमारे सामने जो मुरली चल रही है, यह साकार बाबा चला रहा है या निराकार बाबा चला रहा है– यह निर्णय करने में ही वे लोग धोखा खा गये। शिवबाबा भी बोलते हैं कि साकार को देख संशय में नहीं आना। अगर साकार से कोई गलती हो गयी, उसके लिए मैं ज़िम्मेवार हूँ। साकार से गलती होगी ही नहीं क्योंकि वो तो जो भी करेंगे, शिव बाबा की श्रीमत अनुसार ही करेंगे ना! चलो, अगर हो भी गयी, गणित में कहते हैं सुपोज़, उसके लिए मैं ज़िम्मेदार हूँ, उसको मैं ठीक कर देता हूँ। क्योंकि यह मेरा निमित्त माध्यम है। साकार को देख यह नहीं समझना, यह भी हमारे जैसा देहधारी है। इनके अंदर बैठकर मैं सुनाता हूँ, मैं डायरेक्शन देता हूँ। इसलिए आप यह मानकर चलें कि यह डायरेक्शन शिव बाबा ने ही दिया है, इनके द्वारा ही तुम बच्चों का कल्याण है। उन्होंने बाबा की यह बात नहीं मानी, तो धोखा खा गये और वे सारे खत्म हो गये। इसलिए मैं यह कहता हूँ कि रोज़ हम जो भी मुरली सुनते हैं, वो सारे हमारे लिए लॉ हैं। इसलिए बाबा कहते हैं, अपने आप निर्णय करो, जज बनो। जब सारी बातें हम सुनेंगे तब तो ठीक निर्णय कर पायेंगे ना! यह है हमारी निर्णय शक्ति।

उसी प्रकार है हमारी स्मृति-शक्ति। इसको लोग स्मरण-शक्ति कहते हैं। हमारा पुरूषार्थ यही है कि सदा हमारी ईश्वरीय स्मृति बनी रहे। स्मृति पारे की तरह खिसकती रहती है। यह बनी रहे एकरस। मैंने पहले भी बताया है कि स्व-परिवर्तन का कहो, विश्व परिवर्तन का कहो, सारा मदार स्मृति पर है। अगर स्मृति में हम पीछे रह गये या कमज़ोर रह गये, माना रह गये। न ज्ञान धारण होगा, न योग होगा और न दिव्यगुणों की धारणा होगी। इसलिए स्मृति-शक्ति और साथ-साथ उसकी धारणा-शक्ति चाहिए। आपने देखा होगा कि कइयों में धारणा-शक्ति नहीं होती है। ज्ञान बहुत लेंगे लेकिन धारणा नहीं कर सकेंगे। हमें यह समझना चाहिए कि धारणा भी एक शक्ति है। यह बहुत बड़ी आध्यात्मिक शक्ति है। इससे हमें विश्व का राज्य-अधिकार मिल जाता है। योग बल से, पवित्रता के बल से और आध्यात्मिक वाणी के बल से।

वाराणसी-उ.प्र। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू के वाराणसी आगमन पर उनसे मुलाकात के दौरान गुलदस्ता भेंट कर अभिवादन करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ पूर्वी उ.प्र. एवं पश्चिम नेपाल की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु.सुरेन्द्र दीदी, प्रबंधक राजयोगी ब्र.कु.दीपेन्द्र भाई, गोदौलिया सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दुर्गा बहन तथा ब्र.कु. राजू भाई।

पठानकोट-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा महाशिवरात्रि के अवसर पर ढांगू रोड, विष्णुनगर लमीनी एवं सुजानपुर तीनों ही स्थान पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक नरेश पुरी, ठाकुर मनोहर सिंह,नगर सुधार ट्रस्ट के अध्यक्ष, रेखा शर्मा,जिला अध्यक्ष,महिला प्रभाग, नरेंद्र सिंह,जिला ऑफिस इंचार्ज, संजीव कपूर,जिला अध्यक्ष,स्वास्थ्य विभाग, तिलक राज, सुदर्शन पाल,सीनियर लीडर, शिरोम शर्मा,युवा नेता,डायरेक्टर,अमनदीप अस्पताल, शिवानी बाली,प्रिंसिपल,एपीएस मामून कैंट, कर्नल सौरभ बाली, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सत्या दीदी, ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई सहित अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

दिल्ली-पांडव भवन(करोल बाग)। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी। साथ हैं बाएं से करोल बाग बैप्टिस्ट चर्च के पादरी दिनेश दास, अंतर्राष्ट्रीय जैन मिशन के अध्यक्ष विवेक मुनि जी, रेडिसन ब्ल्यू होटल के चेयरपर्सन जगमोहन जी तथा ब्र.कु. विजय बहन।

गुरुग्राम से.57-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के एंजेल हाउस सेवाकेन्द्र में त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटते हुए ब्र.कु. कुसुम बहन,डीएलएफ फेज़-2 गुरुग्राम, ब्र.कु. रत्नाकर भाई, उपसेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सोनी बहन, ब्र.कु. किरण बहन तथा अन्य।

ब्रह्मपुर-ओडिशा। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार रिट्रीट सेंटर में त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन चैतन्य शिव झांकी कार्यक्रम में शिव जयंती का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी। साथ हैं ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. गीतांजलि दास एवं पीयूआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. माला दीदी।

दिल्ली-हरिनगर। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी,डायरेक्टर हरिनगर सबज़ोन, श्रीमति रमिंदर कौर,निगम पार्षद, प्रदीप वर्मा,ग्रुप कैप्टन,भारतीय वायु सेना, गोविंद राम अग्रवाल,डायरेक्टर,एम.डी. कॉन्वेंट स्कूल, कर्नल गोपिंदर तथा ब्र.कु. नेहा बहन।

सोनीपत से.15-हरियाणा। शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं मोहन लाल,विधायक,राई सोनीपत, मीनू अग्रवाल,प्रिंसिपल,जीवीएम कॉलेज,सोनीपत, भावना अंतिल,प्रिंसिपल,शिव शक्ति स्कूल,सोनीपत, सुभाष सिसोदिया,सोशल एक्टिविस्ट, ब्रह्माकुमारीज़ के इंजीनियर एवं साईंटिस्ट विंग के दिल्ली के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. पीयूष भाई, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रमोद दीदी व अन्य।

नेपाल-बीरगंज। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए महानगर पालिका के मेयर राजेशमान सिंह, राजयोगिनी ब्र.कु. रविना दीदी, उपमेयर इम्तियाज़ आलम, भारतीय महावाणिज्यदूत नितेश कुमार, वडा नं.2 के वडाध्यक्ष रेयाज मिया तेली, वरिष्ठ समाजसेवी पशुपति विक्रम शाह तथा अन्य।

मुरलीगंज-बिहार। 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए नगर पंचायत चेयरमैन सर्जना सिद्धि, भागलपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अनीता बहन, सहरसा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्नेहा बहन तथा रिटायर्ड डेमोंस्ट्रेटर जयप्रकाश यादव।